



न्यायालय

## सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुढामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2017 / 00066 (33 / 2017)

दर्ज तिथि:-10.05.2017

1. भगवानाराम पुत्र मानाराम
2. भागीरथराम पुत्र मानाराम  
जाति विश्नोई निवासी अणदाणियों की बेरी तहसील नोखड़ा-बाड़मेर

.....प्रार्थीगण

बनाम

1. सदराम पुत्र रामलाल
2. गोरधन पुत्र गुणेशा
3. हीरा पुत्र गुणेशा फौत के कायम मुकाम  
3/1 आशुराम पुत्र हीराराम  
3/2 लाधुराम पुत्र हीराराम  
3/3 केशीदेवी पुत्री हीराराम  
3/4 झीणोदेवी पुत्री हीराराम  
3/5 ऐलचीदेवी पुत्री हीराराम  
3/6 चूकीदेवी पुत्री हीराराम
4. रूखमण पत्नी हरदान फौत के कायम मुकाम  
4/1 ईन्द्रा पुत्री हरदान जाति विश्नोई खारा तहसील सांचौर जिला जालोर
5. लाला पुत्र रामजी फौत के कायम मुकाम  
5/1 सोहनलाल पुत्र लालाराम  
5/2 मगाराम पुत्र लालाराम  
5/3 प्रकाश पुत्र लालाराम  
5/4 कुनणीदेवी पत्नी लालाराम
6. भाखराराम पुत्र रामजीराम
7. केशाराम पुत्र रामजीराम  
निवासी अणदाणियों की बेरी तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर

.....असल विप्रार्थीगण

8. तहसीलदार नोखड़ा

.....तकमीली विप्रार्थी



उपस्थित अधिवक्ता

प्रार्थी:- श्री भाखराराम गोदारा

अप्रार्थीगण:- श्री बाबूलाल विश्नोई

प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा-251ए

राजस्थान काश्तकारी अधि.-1955

**-:निर्णय:-**

निर्णय तिथि:-12.08.2024

### **प्रार्थना-पत्र**

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-'क' के अन्तर्गत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी 203 / 29 बीघा 15 बिस्वा वाके ग्राम अणदाणियों की बेरी तहसील नोखड़ा में अवस्थित है। प्रार्थी की आराजी तक पहुँच के प्रयोजन के लिए अप्रार्थीगण की आराजी हाल खसरा संख्या 206 / 7.10 बीघा वाके ग्राम अणदाणियों की बेरी तहसील नोखड़ा से होते हुए आवागमन करते आए हैं। परंतु अप्रार्थीगण द्वारा अपनी खातेदारी आराजी में फसल करने से प्रार्थी का रास्ता अवरूद्ध हो जाता है। इससे रास्ते को लेकर भारी विरोध रहता है एवं झगड़े की संभावना बनी रहती है। उक्त रास्ते के अतिरिक्त प्रार्थी की आराजी तक वर्तमान में कोई रिकॉर्डेड रास्ता चालू नहीं है। अतः खसरा संख्या 206 / 7.10 बीघा वाके ग्राम अणदाणियों की बेरी तहसील नोखड़ा के सेढे से होकर प्रार्थी की आराजी तक नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु अनुतोष चाहा गया है। अंत में प्रार्थी की आराजीयात तक कोई रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है तथा उक्त आवेदित रास्ते के अतिरिक्त अन्य कोई लघुत्तम मार्ग का विकल्प नहीं होने के कारण उक्त आवेदित रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज कर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।

### **जवाब**

2. प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण संख्या 05 लगायत 08 के अतिरिक्त समस्त अप्रार्थीगण बावजूद विधिवत तामील हाजिर न्यायालय नहीं होने के कारण उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। अप्रार्थीगण संख्या 05 लगायत 08 बाद तामील हाजिर न्यायालय होकर जवाब प्रस्तुत कर निवेदन किया कि आराजी खसरा संख्या 206 / 7.10 बीघा में मौके पर कोई आम रास्ता नहीं चल रहा है तथा प्रार्थी ने अपने खेत तक पहुंचने के लिये दूसरे पड़ोसी खातेदारों की आराजी में से होकर रास्ते की व्यवस्था की हुई है। उक्त प्रार्थना-पत्र प्रार्थी द्वारा अप्रार्थीगण को केवल परेशान करने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आधारों पर उक्त प्रार्थना-पत्र को खारिज करने का निवेदन किया।

### **मौका रिपोर्ट**

3. प्रकरण में तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पूर्व में प्रेषित मौका रिपोर्ट पर अप्रार्थीगण द्वारा आपत्ति प्रस्तुत की गई। उक्त आपत्ति को स्वीकार करते हुए न्यायालय द्वारा पुनः तहसीलदार नोखड़ा से हाजा कार्यालय के पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024 / 197 दिनांक

11.03.2024 द्वारा राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 के अनुसार पुनः मौका जाँच रिपोर्ट तलब की गई। प्रकरण में तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा मौका रिपोर्ट तैयार कर प्रेषित की। जो कि शामिल मिसल की गई।

### जिरह-प्रार्थी

4. प्रकरण में विद्वान अभिभाषक प्रार्थी की जिरह सुनी गई। अभिभाषक प्रार्थी ने दौराने-ए-जिरह प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दौहराते हुए खसरा संख्या 206/7.10 बीघा वाके ग्राम अणदाणियों की बेरी तहसील नोखड़ा के सेढे से होकर प्रार्थी की आराजी तक नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु अनुतोष चाहा गया है। अंत में प्रार्थी की आराजीयात तक कोई रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं होने तथा उक्त आवेदित रास्ते के अतिरिक्त अन्य कोई लघुत्तम मार्ग का विकल्प नहीं होने के कारण उक्त आवेदित रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज कर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।

### जिरह-अप्रार्थी

5. दौराने-ए-जिरह विद्वान अभिभाषक अप्रार्थी ने निवेदन किया कि तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट में एक वैकल्पिक लघुत्तम रास्ता आराजी खसरा संख्या 206/7.10 बीघा नीले रंग से अंकित कर दर्शाया गया है। तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट में रास्ता आराजी खसरा संख्या 206/7.10 बीघा नीले रंग से अंकित वैकल्पिक लघुत्तम प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते से लम्बाई में छोटा है। अगर उक्त वैकल्पिक लघुत्तम रास्ते से प्रार्थीगण को रास्ता दिया जाता है तो अप्रार्थीगण को कोई आपत्ति नहीं है। इसके अतिरिक्त अप्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार की मौका रिपोर्ट पर कोई आपत्ति प्रस्तुत नहीं की। अंत में वैकल्पिक रास्ते से नवीन रास्ता कायम नहीं किये जाने की स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र खारिज करने का निवेदन किया।

### कानूनी-प्रावधान

6. प्रकरण में प्रार्थना पत्र के साथ तहसीलदार की मौका-रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। प्रकरण में तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है जो कि इस प्रकार है-

**251A. Laying of underground pipeline or opening a new way through another khatedar's holding or enlarging the existing way. - (1) Where -**

*(a) a tenant intends to lay an underground pipeline through the holding of another khatedar for the purpose of irrigation of his holding; or*

*(b) a tenant or a group of tenants intend to have a new way, or enlargement or widening of an existing way, through the holding of another khatedar to have access to his holding or, as the case may be, their holdings of and the matter is not settled by mutual agreement, the tenant or the tenants, as the case may be, may apply for such facility to the Sub-Divisional Officer concerned, and the Sub-Divisional Officer, if he is satisfied after a summary inquiry, that*

*(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and*

*(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access proved may, be order, allow the applicant, to lay pipeline, at least three feet beneath the surface of the land, along 'the line demarcated or pointed out by the tenant who holds that land, or to have a new way. not wider than thirty feet, through the land on such track as pointed out by the tenant who holds that land, and if no such track is pointed out, through the shortest or nearest route, or to enlarge or widen the existing way, not exceeding up to thirty feet, on payment of such compensation as may be determined by the Sub-Divisional Officer, in the prescribed manner, to the tenant who holds the land through which the right to lay pipeline or have a new way or enlarge or widen an existing way is granted or in lieu of payment of compensation, on transfer of land in exchange of equal area in the name of such tenant preferably having the same price and adjoining to his land.*

*(2) Where a right to have a new way or enlarge or widen an existing way is granted under sub-section (1), the tenancy in respect of the land comprising such way shall be deemed to have been extinguished and the land shall be recorded as rasta in the revenue records.*

*(3) The persons permitted to avail any of the facilities referred to in sub-section (1) shall not, by virtue of the said facility, acquire any other right in the holding through which such facility is granted.*

5. इसी प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' के प्रावधानों की क्रियान्विति हेतु बनाये गये राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 का उद्धरण करना यहां प्रासंगिक प्रतीत होता है जो कि इस प्रकार है-

**68. Application under Sec. 251-A.** - An application for grant of permission under sub-sec. (1) of 251-A of the Act shall be in Form I.

**69. Enquiry and disposal of application.** - On receipt of an application in Form I, the Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records and invite objections from the affected persons. The Sub-Divisional Officer after affording an opportunity of being heard to the parties and making such further enquiry, as he thinks necessary, if satisfied that-

*(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and*

*(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access is proved, may allow the application. The application shall be decided by the Sub-Divisional Officer within 90 days from the date of application.*

**70. Determination of compensation.** - (1) The amount of compensation payable under sub-sec. (1) of Sec. 251-A of the Act, shall be determined in the following manner:-

(i) if the parties mutually agree on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer, shall determine the amount of compensation as per the mutual agreement.

(ii) if the parties do not agree mutually on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer shall determine the amount of compensation for the land equivalent to-

(a) two times of the rates recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of sub-rule (D) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of a new way or enlargement or widening of an existing way; and

(b) 10% of the rates recommended by the District Level Committee; constituted under clause (b) of sub-rule (1) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of laying underground pipeline.

(2) In addition to the value of land determined under clause (a) or (b) of sub-rule j (1), if any loss or damages caused due to removal of standing trees, crops or structure, the amount of actual loss or damages shall also be determined.

### विश्लेषण

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा 251-क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी खातेदारी आराजी तक कृषि कार्य बाबत आमद-रफत हेतु अन्य खातेदारों की खातेदारी आराजी में से होकर कुछ शर्तों के अधीन नवीन रास्ता रिकॉर्डेड अंकित करवा सकता है। इस हेतु उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क निम्न पूर्वशर्तों को आरोपित करती है जो इस प्रकार है-

1. प्रार्थी हेतु रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
2. खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता।
3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।

### वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता

7. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 द्वारा अध्यारोपित उक्त पूर्वशर्तों के तहत प्रकरण का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। सर्वप्रथम प्रथम शर्त प्रार्थी हेतु रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त प्रावधान के अंतर्गत सर्वप्रथम यह देखा जाना आवश्यक है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता उपलब्ध नहीं है अथवा नहीं। उक्त शर्त के विश्लेषण में निम्न तीन स्थितियां सामने आती हैं:-

1. प्रथम स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता पूर्व से उपलब्ध है और उक्त रिकॉर्डेड रास्ता मौके पर चालू

है तो ऐसी स्थिति में प्रार्थी को उक्त रिकॉर्डेड रास्ते से ही आवागमन करना चाहिए। इस स्थिति में उक्त आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है।

2. द्वितीय स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता पूर्व से उपलब्ध है और उक्त रिकॉर्डेड रास्ता मौके पर अतिक्रमण की वजह से चालू नहीं है तो ऐसी स्थिति में प्रार्थी को उक्त रिकॉर्डेड रास्ते को मौके पर अतिक्रमण हटवाकर चालू करवाने के लिये संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुए अनुतोष प्राप्त करना चाहिए। इस स्थिति में उक्त आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है।

3. तृतीय स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता उपलब्ध नहीं है तो उस स्थिति में प्रार्थी के प्रार्थना-पत्र को प्रथम शर्त को पुष्ट मानते हुए द्वितीय शर्त पर परखा जाना चाहिए।

8. उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-2 में अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। अप्रार्थीगण द्वारा भी अपने जवाब में उक्त शर्त के तथ्य का कोई खण्डन नहीं किया है। साथ ही तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट के बिन्दु संख्या 2 में का उद्धरण यहां प्रासंगिक है जो कि इस प्रकार है:-

2. प्रार्थी की आराजी खसरा संख्या 203 ग्राम अणदाणियों की बेरी में आने-जाने हेतु राजस्व रिकॉर्ड में किसी प्रकार का रास्ता दर्ज नहीं है। तक पहुंचने हेतु राजस्व रिकॉर्ड में कोई रास्ता दर्ज नहीं है एवं न ही कोई वैकल्पिक साधन है।

प्रकरण में राजस्व ग्राम अणदाणियों की बेरी के राजस्व नक्शे में प्रासंगिक भाग के अवलोकन से प्रतीत होता है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई वैकल्पिक रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है। इस प्रकार प्रकरण उक्त तृतीय स्थिति के अंतर्गत आता है एवं शर्त संख्या 01 की पूर्णरूप से पुष्टि प्रतीत होती है।

### रास्ते की आत्यांतिक आवश्यकता

9. प्रथम शर्त की पुष्टि पश्चात् द्वितीय शर्त खातेदार की रास्ते बाबत् आत्यान्तिक आवश्यकता का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त प्रावधान के अंतर्गत यह देखा जाना आवश्यक है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक है। उक्त शर्त के विश्लेषण में निम्न तीन स्थितियां सामने आती हैं:-

1. प्रथम स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड/कट्टाण रास्ते/सड़क से आरम्भ होकर प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट होता है कि प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड एवं विद्यमान/मौके पर चालू रास्ते से आगे अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु रास्ता चाहा गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक

नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।

2. द्वितीय स्थिति में प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंचने वाले लेकिन रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होकर केवल मौके पर चालू कदीमी रास्ते/सड़क को धारा-251-ए के तहत विद्यमान मौके पर चालू कदीमी रास्ते/सड़क की चौड़ाई या विस्तारित चौड़ाई के रास्ते पर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट होता है कि प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही विद्यमान/मौके पर चालू रास्ते को ही रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु रास्ता चाहा गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होता है। उक्त स्थिति में भी प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।
3. तृतीय स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड/कट्टाण रास्ते/सड़क से कोई संबंध नहीं रखता है तथा प्रार्थी द्वारा केवल एक या एक से अधिक खसरों से होकर नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में प्रतीत होता है कि प्रार्थी द्वारा अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु सम्पूर्ण रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु अनुतोष नहीं चाहा गया है। यहां यह संशय उत्पन्न होता है कि प्रार्थी द्वारा गलत मंशा से प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि नहीं करता प्रतीत होता है।
10. उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-2 में रास्ते की आत्यांतिक आवश्यकता का जिक्र किया गया है। अप्रार्थीगण द्वारा अपने जवाब में उक्त शर्त के तथ्य का खण्डन करते हुए प्रार्थी द्वारा अन्य खातेदारों की खातेदारी आराजी से होकर वैकल्पिक इंतजाम किये जाने का कथन किया है। परंतु अप्रार्थी द्वारा उक्त कथन के संबंध में प्रार्थी द्वारा अन्य खातेदारों की खातेदारी आराजी से होकर वैकल्पिक इंतजाम किये जाने वाले रास्ते के मार्ग के संबंध में कोई स्पष्ट अंकन/कथन प्रस्तुत नहीं किया है। साथ ही तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट के बिन्दु संख्या 3 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है जो कि इस प्रकार है:-

3. प्रार्थी की आराजी खसरा संख्या 203 ग्राम अणदाणियों की बेरी में आने-जाने हेतु राजस्व रिकॉर्ड में किसी प्रकार का रास्ता दर्ज नहीं है एवं न ही कोई वैकल्पिक साधन है। अतः रास्ता अतिआवश्यक है।

उक्त प्रकरण में राजस्व ग्राम अणदाणियों की बेरी के राजस्व नक्शे में प्रासंगिक भाग के अवलोकन से प्रतीत होता है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई वैकल्पिक रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है। उक्त प्रकरण स्थिति संख्या 01 के अंतर्गत आता है। इस प्रकार प्रकरण में प्रार्थी को नवीन रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आत्यांतिक प्रतीत होती है। इस प्रकार शर्त संख्या 02 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है।

### लघुत्तम मार्ग का निर्धारण

11. अतः उक्त विश्लेषण के अनुसार शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क तथा राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 के अवलोकन से स्पष्ट है कि राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होने के पश्चात् न्यायालय द्वारा तृतीय शर्त लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव बिन्दु पर विश्लेषण किया जाना है कि उक्त नवीन रास्ता किस आराजी में से होकर किस रूट से होकर कितनी चौड़ाई का लघुत्तम मार्ग रास्ता का अनुतोष स्वीकार किया जाना है। उक्त प्रावधान के अंतर्गत यह देखा जाना आवश्यक है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु प्रार्थना-पत्र में आवेदित रास्ते ही लघुत्तम रास्ता है अथवा अप्रार्थी/तहसीलदार मौका रिपोर्ट द्वारा लघुत्तम रास्ते का अन्य कोई विकल्प प्रस्तावित किया गया है। उक्त शर्त के विश्लेषण में निम्न दो स्थितियां सामने आती हैं:-

1. प्रथम स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता ही लघुत्तम रास्ते का विकल्प है। इस हेतु संबंधित तहसीलदार की मौका रिपोर्ट/स्वयं पीठासीन अधिकारी के मौका निरीक्षण से उक्त शर्त की पुष्टि किया जाना आवश्यक है। उक्त स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते को ही लघुत्तम रास्ता माना जाना व्यावहारिक/कानूनन प्रतीत होता है।
2. द्वितीय स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता के अतिरिक्त अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का विकल्प प्रस्तावित किया जाता है। ऐसी स्थिति में तहसीलदार की मौका रिपोर्ट/स्वयं पीठासीन अधिकारी के मौका निरीक्षण एवं पत्रावली के तथ्यों व राजस्व रिकॉर्ड के अवलोकन के साथ-साथ निम्न तथ्यों को ध्यान में रखते हुए लघुत्तम मार्ग का निर्धारण किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है:-
  - प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते की लम्बाई एवं अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की लम्बाई के अंतर की सीमा।
  - प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते की लम्बाई एवं अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की लम्बाई के अंतर की व्यावहारिकता।
  - प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की प्रार्थी की रहवास/घर के संदर्भ में व्यावहारिकता।
  - प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का प्रस्तावित विकल्प में आने वाली आराजी के रकबे की अप्रार्थी की खातेदारी आराजी के रकबे के संदर्भ में व्यावहारिकता।
  - प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का प्रस्तावित विकल्प में आने वाली आराजी के रकबे की क्षतिपूर्ति की प्रकृति (राशि/भूमि के बदले भूमि) के संदर्भ में व्यावहारिकता।

- प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर अप्रार्थीगणों के मध्य सहमति/असहमति के संदर्भ में व्यावहारिकता।
  - प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर प्रार्थी द्वारा पूर्व से आमद-रफत के संदर्भ में व्यावहारिकता।
  - प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का प्रस्तावित विकल्प से अन्य काश्तकारों को होने वाले अप्रत्यक्ष लाभ के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
  - प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर निर्माण/वृक्ष व अन्य सम्पत्तियों की अवस्थिति के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
  - प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते का प्रस्तावित विकल्प के अप्रार्थी के खसरे/संयुक्त खसरों/मौके पर एकल चकबंदी के खसरों के विखण्डन के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
  - अन्य बिन्दु जो न्यायालय प्रकरण-दर-प्रकरण आवश्यक समझे।
12. इस प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प पर विचार किया जाना आवश्यक है। उक्त प्रकरण में अप्रार्थीगण द्वारा दौरान-ए-जिरह में तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट में नीले रंग से अंकित लघुत्तम मार्ग के विकल्प पर सहमति जाहिर की। उक्त प्रकरण उक्त स्थिति संख्या 02 के अंतर्गत आता है। **प्रकरण में स्वयं पीठासीन अधिकारी द्वारा मौका निरीक्षण किया गया।** मौका निरीक्षण पर पीठासीन अधिकारी द्वारा पाया गया कि प्रार्थी द्वारा अपनी खातेदारी आराजी खसरा संख्या 203 वाके ग्राम अणदाणियों की बेरी तहसील नोखड़ा तक अप्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 206 वाके ग्राम अणदाणियों की बेरी तहसील नोखड़ा के खसरा संख्या 202 की तरफ के सेढे-सेढ नवीन रास्ता चाहा गया है। उक्त रास्ते को तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट में लाल रंग से अंकित कर करीब 116 मीटर लम्बा **रूट संख्या-01** द्वारा दर्शित किया गया है। अप्रार्थीगण द्वारा दौरान-ए-जिरह में तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट में करीब 40 मीटर लम्बे रास्ते को नीले रंग से अंकित लघुत्तम मार्ग के विकल्प **रूट संख्या-02** के रूप में प्रस्तावित किया गया है।
13. परंतु मौका निरीक्षण के समय पीठासीन अधिकारी के संज्ञान में आया कि उक्त **रूट संख्या-02** नीले रंग से अंकित करीब 40 मीटर लम्बे रास्ते के लघुत्तम मार्ग के विकल्प पर मौके पर पूर्ण रूपेण/आंशिक रूप से अप्रार्थी का रहवासी घर मौके पर बना हुआ है। अगर इस उक्त **रूट संख्या-02** नीले रंग से अंकित करीब 40 मीटर लम्बे रास्ते के

लघुत्तम मार्ग के विकल्प पर से नवीन रास्ता कायम किया जाता है तो अप्रार्थी के रहवासी घर को नुकसान के साथ-साथ भविष्य में प्रार्थी के आवागमन में विवाद बने रहने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। साथ ही यहां यह उल्लेखनीय है कि तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट में प्रस्तावित **रूट संख्या-02** करीब 40 मीटर लम्बे रास्ते को नीले रंग से अंकित लघुत्तम मार्ग के विकल्प राणासर खुर्द से नोखड़ा जाने वाली सड़क के कट्टाण मार्ग के विपरीत मौके पर अन्य जगह चालू होने से उक्त करीब 40 मीटर लम्बे रास्ते को नीले रंग से अंकित लघुत्तम मार्ग के विकल्प प्रस्तुत हुआ है। भविष्य में राणासर खुर्द से नोखड़ा जाने वाली सड़क के कट्टाण मार्ग पर ही निर्माण होने की स्थिति में उक्त **रूट संख्या-02** करीब 40 मीटर लम्बे रास्ते को नीले रंग से अंकित लघुत्तम मार्ग के विकल्प व्यावहारिक नहीं रह जाएगा। अतः प्रकरण में यथासंभव समस्त तथ्यों का विश्लेषण के पश्चात् प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता **रूट संख्या-01** ही लघुत्तम मार्ग का व्यावहारिक विकल्प प्रतीत होता है। अतः राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते का विकल्प तथा तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट द्वारा प्रस्तावित लाल रंग से अंकित का विकल्प **रूट संख्या-01** को स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।

### निष्कर्ष

14. उक्त प्रकरण में राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के विधिक प्रावधानों के सन्दर्भ में प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क काबिल-ए स्वीकार है। अतः तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अनुसार खसरा संख्या 203 वाके ग्राम अणदाणियों की बेरी तहसील नोखड़ा तक अप्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 206 वाके ग्राम अणदाणियों की बेरी तहसील नोखड़ा के खसरा संख्या 202 की तरफ के सेढे-सेढ नवीन रास्ता हेतु प्रस्तावित लाल रंग से अंकित लघुत्तम मार्ग **रूट संख्या-01** पर बतौर 24 फुट चौड़ा गैर मुमकिन रास्ता नियमानुसार भूमि एवं निर्माण, अगर कोई हो तो, की क्षतिपूर्ति राशि भुगतान पश्चात् राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

*राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क के अन्तर्गत प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/1174 दिनांक 06.05.2024 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अवलोकन पश्चात विश्लेषित निष्कर्ष प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता के आधार पर स्वीकार किया जाता है एवं तहसीलदार नोखड़ा को आदेश दिये जाते हैं कि दिनांक 06.05.2024 की मौका जाँच रिपोर्ट में आराजी हाल खसरा संख्या 206 वाके ग्राम अणदाणियों की बेरी में लाल*

रंग से अंकित मार्ग रूट संख्या-01 पर 24 फुट चौड़ाई के रास्ते में आयी भूमि एवं निर्माण के एवज में राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम-70 के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि आंकलित कर नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि के नियमानुसार भुगतान पश्चात् उक्त नवीन रास्ते को खाता संख्या-1 सिवायचक में सार्वजनिक उपयोग हेतु किस्म गैर मुमकिन रास्ता दर्ज कर अंकन किया जावे। दिनांक 06.05.2024 की मौका जाँच रिपोर्ट व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा।

उक्त निर्णय की पालना हेतु एक प्रति तहसीलदार नोखड़ा को भिजवायी जावे।

यह आदेश आज दिनांक 12.08.2024 को लिखवाया जाकर सरे-इजलास सुनाया गया एवं अधोहस्ताक्षकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)  
सहायक कलक्टर  
गुढामालानी-बाड़मेर



सत्यमेव जयते

गुढामालानी